एक नजर में

अब तक 499.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज

गुना। जिले में 01 जून से अब तक 499.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। जो कि सामान्य वर्षा का 47.4 प्रतिशत है। जिले में गत वर्ष इसी अवधि में 315.3 औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले की वर्षा ऋतु में सामान्य औसत वर्षा 1053.5 मिमी है। 01 जून से 15 जुलाई प्रात: 8 बजे तक जिले के वर्षामापी केन्द्र गुना में 761.9 मिमी, बमौरी में 705, आरोन में 457, राघौगढ़ में 409, चांचौड़ा में 344, कुम्भराज में 409 तथा वर्षा मापी केन्द्र मक्सूदनगढ में 409.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में बीते 24 घंटे में 6.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई। इस अवधि में वर्षा मापी केन्द्र गुना में 5.4 मिमी., बमौरी में 1.0 मिमी., आरोन में 10.0 मिमी., राघौगढ़ में 4 मिमी., चांचौड़ा में 11 एवं मक्सूदनगढ़ में 14.0 मिमी. वर्षा दर्ज की गई।

1 लाख 25 हजार की सहायता राशि स्वीकृत

गुना। एसडीएम गुना शिवानी पाण्डेय द्वारा भारी वर्षा के कारण मकान का समान नष्ट हो जाने के 01 प्रकरण में 01 लाख 25 हजार रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत किये जाने के आदेश दिए हैं। तहसीलदार, तहसील गुना नगरीय क्षेत्र के प्रतिवेदन के माध्यम से अवगत कराया कि गीताबाई पत्नी दौलतराम अहिरवार का निवासी गुना के मकान पूर्ण रूप से नष्ट होने से राजस्व पुस्तक परिपत्र के निर्देशानुसार कच्चा मिट्टी का मकान पूर्ण नष्ट हो जाने पर आर्थिक सहायात राशि दिये जाने का गीताबाई पत्नी दौलतराम को 01 लाख 25 हजार रूपये की स्वीकृति दी है।

फतेहगढ़ वनपरिक्षेत्र की जौहरी बीट फिर विवादों में

बीटगार्ड और उपसरपंच के आरोप-प्रत्यारोप से गरमाया मामला

नवभारत न्यूज

गुना/बमोरी 15 जुलाई सं। जिले की बमोरी विधानसभा के फतेहगढ़ वनपरिक्षेत्र अंतर्गत आने वाली जौहरी सबरेंज एक बार फिर विवादों में घिर गई है। जहां पहले से ही वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण, अवैध कटाई और भ्रष्टाचार को लेकर चर्चाएं बनी हुई हैं, वहीं अब बीटगार्ड और गांव के उपसरपंच के बीच विवाद ने तूल पकड़ लिया है।

इस मामले को लेकर वन विभाग की कार्यप्रणाली पर फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। जानकारी के अनुसार जौहरी बीट में पदस्थ बीटगार्ड जगदीश जाटव ने 10 जुलाई को अपने उच्च अधिकारियों और मीडिया को यह जानकारी दी कि क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण रोकने के प्रयास के दौरान उनके साथ मारपीट की गई, जातिसूचक गालियां दी गईं और आरोपियों ने उनके घर तक पीछा किया। बीटगार्ड ने इस मामले में थाना फतेहगढ़ और आजाक थाने में शिकायत दर्ज कराई है और विभाग से निष्पक्ष कार्यवाही की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि विभागीय अधिकारियों की चुप्पी इस पूरे मामले को और संदेहास्पद बना रही है। विशेष रूप से डिप्टी रेंजर संजीव कुमार पलिया, जिन्हें सबरेंज की जिम्मेदारी सौंपी गई है, उन्होंने अब तक इस विवाद पर कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

दूसरी ओर, इस मामले में नामजद उपसरपंच पर्वत सिंह धाकड़ ने इन सभी आरोपों को झूठा, निराधार और एक राजनैतिक षड्यंत्र करार दिया है।

पर्वत सिंह ने बताया कि 9 जुलाई को वे अपने परिजनों सहित एक पारिवारिक भोज में गए हुए थे और उसी दौरान झूठे आरोप गढकर उन्हें फंसाने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि उनके पास एक इंच भी वन भूमि नहीं है और बीटगार्ड ने जानबूझकर पुरानी रंजिश के चलते उन्हें फंसाने की कोशिश की है। पर्वत सिंह ने यह भी आरोप लगाया कि बीटगार्ड जगदीश जाटव ने स्वयं सचिन धाकड़ से 28 जुलाई को वन भूमि पर जुताई करने के लिए 20,000 नगद और 2,500 ऑनलाइन लिए थे, जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण उनके पास मौजूद है। पर्वत ने यह भी दावा किया कि वन विभाग ने गलत व्यक्ति को, यानी मोहन किरार को गवाह बना दिया, जबकि उसका वर्षों से सचिन धाकड़ से भूमि विवाद चल रहा है। पर्वत सिंह ने इस पूरे प्रकरण के साक्ष्य डीएफओ गुना और पुलिस अधीक्षक को सौंपे हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्यवाही सामने नहीं आई है।

यह पहला मौका नहीं है जब फतेहगढ़ वनपरिक्षेत्र विवादों में घिरा हो। इससे पहले भी सबरेंज में पदस्थ तत्कालीन रेंजर नीतेश डहरिया और डिप्टी रेंजर पर रिश्वत लेने के गंभीर आरोप लग चुके हैं। जौहरी निवासी हन्नू सहरिया ने आरोप लगाया था कि वन भूमि पर कब्जा देने के एवज में उनसे रिश्वत मांगी गई थी। इस मामले की शिकायत डीएफओ गुना, कलेक्टर एवं सीसीएफ को की गई थी, जिसके बाद विभाग ने डिप्टी रेंजर को डिमोट कर जांच के आदेश दिए थे। अब जबकि एक बार फिर जौहरी में वन भूमि को लेकर विवाद सामने आया है, और आरोपों के घेरे में फिर वही अधिकारी हैं, तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या वन विभाग अपने ही कर्मचारियों की जांच को लेकर गंभीर है? जबकि सेटेलाइट से वन भूमि की निगरानी के बावजूद जमीनी हालात बिगड़ते जा रहे हैं, और विभाग की चुप्पी पूरे तंत्र पर सवालिया निशान खड़े कर रही है। फिलहाल क्षेत्रीय नागरिक और जनप्रतिनिधि इस मामले में पारदर्शी जांच और जिम्मेदारों पर कड़ी कार्यवाही की मांग कर रहे हैं।

एक दूसरे पर हो रही आरोपों की बौछार

9 जुलाई को सूचना पर में पदस्थ बीट में सूचना मिली कि कुछ लोग हद्ध/549वन भूमि पर अतिक्रमण की नियत से जुताई कर रहे हैं जब उन्हें रोकने पहुंचा तो स्टाफ के सामने ही मुझे जाती सूचक गालियां देने लगे ओर धमकाने लगे कि हमारे संबंध सीधे तेरे डीएफओ से है और देर बाद हाथापाई पर उतर आए

जगदीश जाटव बीटगार्ड जौहरी

बीटगार्ड द्वारा लगाए आरोप निराधार है मेरे पास कोई वन भूमि नहीं है और न ही किसी प्रकार का विवाद बीटगार्ड के साथ हुआ हे सचिन ओर गवाह बनाए व्यक्ति का जमीनी विवाद हे राजनीतिक षडयंत्र रच मुझे फसाया गया मैने पुलिस अधीक्षक से जांच की गुहार लगाई है ताकि सच्चाई सामने आ सके।

पर्वत सिंग धाकड़ उप सरपंच जौहरी

चांचौड़ा विधानसभा का पहला ईट राइट स्कूल बना श्रीकृष्ण मेमोरियल स्कूल बीनागंज

नवभारत न्यूज

चांचौडा 15 जुलाई सं.। चांचौड़ा विधानसभा क्षेत्र में स्थित श्रीकृष्ण मेमोरियल हायर सेकेंडरी स्कूल बीनागंज को ईट राइट स्कूल के रूप में चयनित कर जिला कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल द्वारा सम्मानित किया गया। इस सम्मान के तहत विद्यालय को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया और संपूर्ण विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं दी गईं।

गौरतलब है कि ईट राइट स्कूल अभियान के अंतर्गत गुना जिले के कुल 5 स्कूलों का चयन हुआ है, जिनमें श्रीकृष्ण मेमोरियल स्कूल तीसरे स्थान पर रहा और चांचौड़ा-बीनागंज क्षेत्र का यह पहला स्कूल बना है जिसे यह सम्मान प्राप्त हुआ है। विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्यवर्धक खानपान, स्वच्छता और पोषण संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों को जागरूक किया गया। स्कूल की इस उपलब्धि का श्रेय प्राचार्य चंद्र कुमार यादव ने समस्त शिक्षकगण एवं ईट राइट प्रभारी शिक्षिका श्रेया यादव व उनकी टीम को दिया।

प्राचार्य यादव ने विद्यालय को इस सम्मान से नवाजने के लिए कलेक्टर श्री कन्याल का आभार व्यक्त किया और आगे भी विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते रहने की प्रतिबद्धता जताई।

ग्राम माहौर से टेकरी सरकार तक निकाली गई झंडा यात्रा

गुना। आस्था और परंपरा का संगम मानी जाने वाली वार्षिक झंडा यात्रा मंगलवार को ग्राम माहौर से टेकरी सरकार तक धूमधाम से संपन्न हुई। यह धार्मिक यात्रा पिछले पांच वर्षों से लगातार निकाली जा रही है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सहभागिता कर रहे हैं। यात्रा संयोजक बवलेश कुशवाह ने जानकारी देते हुए बताया कि यह झंडा यात्रा मंगलवार सुबह विधिवत पूजा-अर्चना के साथ ग्राम माहौर से प्रारंभ की गई। श्रद्धालुओं का कारवां भक्ति गीतों और जयकारों के साथ आगे बढ़ता रहा। लगभग 30 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए यह यात्रा दोपहर के समय गुना स्थित प्रसिद्ध तीर्थ स्थल टेकरी सरकार पहुंची। टेकरी सरकार पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं ने विशेष श्रद्धा भाव से झंडा बालाजी सरकार को अर्पित किया और क्षेत्र की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। यात्रा के दौरान श्रद्धालु ढोल-नगाड़ों, भजन-कीर्तन और पारंपरिक उत्साह के साथ नाचते-गाते चल रहे थे। इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के युवाओं, महिलाओं एवं बुजुर्गों ने बढ़-चढ ?र भाग लिया। पूरे मार्ग में स्थानीय लोगों ने जगह-जगह श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए जल सेवा और प्रसाद वितरण की व्यवस्थाएं की थीं।

भारतीय डाक कर्मचारी महासंघ ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

गुना। भारतीय डाक कर्मचारी महासंघ की संभागीय शाखा गुना द्वारा मंगलवार को केंद्र सरकार की नीतियों और उपेक्षा के विरोध में काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया गया। यह आंदोलन डाक कर्मचारियों की 41 सूत्रीय न्यायोचित मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन के पहले चरण का हिस्सा था। प्रदर्शन गुना प्रधान डाकघर परिसर में किया गया, जिसमें सभी कर्मचारियों ने अपने शासकीय कार्य करते हुए बाजुओं पर काली पट्टी बांधकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। संघ के संभागीय अध्यक्ष सचेंद्र तिवारी ने बताया कि भारतीय डाक कर्मचारी संघ, जो कि राष्ट्रवादी विचारधारा वाला संगठन है और भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध है, बीते 18 जून को डाक विभाग के सचिव को आंदोलन की पूर्व सूचना दे चुका है। आज का प्रदर्शन उसी क्रम में पहला कदम था। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने कर्मचारियों की मांगों की ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया, तो संघ को आगामी चरणों में धरना, एक दिन की सांकेतिक हड़ताल और अंततः अनिश्चितकालीन हड़ताल जैसे कठोर कदम उठाने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

प्रदर्शन के दौरान विभिन्न प्रमुख मांगों को रखा गया। जिसमें आठवें वेतन आयोग की घोषणा में हो रही देरी को ध्यान में रखते हुए 50 फीसदी महंगाई भत्ते को मूल वेतन में समाहित किया जाए, प्रोत्साहन कार्यों के नाम पर कर्मचारियों पर दबाव बनाना बंद किया जाए, इनडोर स्टाफ को टारगेट देने की व्यवस्था समाप्त हो, ग्रामीण डाक सेवकों को भी वेतन आयोग के दायरे में लाकर उन्हें 5 लाख बीमा और 5 लाख ग्रेच्युटी का लाभ दिया जाए। इसके अलावा विभाग में वर्षों से रिक्त पड़े पदों को शीघ्र भरा जाए, सरकारी क्वार्टर्स की मरम्मत कर उन्हें प्रशिक्षण केंद्र या विभागीय कर्मचारियों को लीज पर दिया जाए, मेडिकल एवं यात्रा भत्ते का भुगतान एक माह के भीतर सुनिश्चित किया जाए और अधिकारियों को कर्मचारियों से सम्मानजनक व्यवहार के निर्देश दिए जाएं। इस अवसर पर प्रदर्शन में अजय भगत, गजेंद्र टंडेल, आलोक कटियार, केके भार्गव, अभिषेक दुबे, अजय साहू, नरेंद्र सोलंकी, आदर्श रघुवंशी, अर्पित श्रीवास्तव, विवेक राठौर, अजय रघुवंशी, सुधीर वर्मा, मुश्ताक खान, शुभम भदौरिया, राजकुमार कौल सहित बड़ी संख्या में भारतीय डाक कर्मचारी संघ के सदस्य मौजूद रहे। सभी ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी एकजुटता प्रकट करते हुए सरकार से जल्द सकारात्मक निर्णय की अपेक्षा जताई।

नशे से दूरी अभियान की शुरुआत, स्कूली छात्रों ने निकाली रैली

नवभारत न्यूज

राघौगढ़। जिलेभर में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत मंगलवार को राधौगढ़ में पुलिस और प्रशासन के संयुक्त नेतृत्व में स्कूली छात्र-छात्राओं ने रैली निकालकर नशे से दूरी का संदेश दिया। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से प्रारंभ हुई यह रैली मुख्य मार्गों से होती हुई पुनः विद्यालय परिसर में समाप्त हुई। छात्र-छात्राओं ने हाथों में बैनर व तख्तियां लेकर नशे के दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक किया।

प्रशासन और पुलिस की पहल, लेकिन नशा कारोबार थमता नहीं दिख रहा

इस मौके पर एसडीएम विकास आनंद ने कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है, जो परिवारों को बर्बादी की ओर ले जाता है। वहीं एसडीओपी दीपा डोडवे ने इसे एक जन-जागरूकता आंदोलन के रूप में चलाने की घोषणा की। कार्यक्रम में तहसीलदार अमित सोनी, सीएमओ तेज सिंह यादव, टीआई जुवेर खान, टीआई प्रभात कटारे, विजयपुर टीआई ऋतुराज सिंह, प्राचार्य सुरेशचंद्र आर्य सहित जनप्रतिनिधि, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। हालांकि राघौगढ़ में नशे का कारोबार थमता नहीं दिख रहा। पूर्व में एसपी केसी जैन ने पीपलखेड़ी जैसे संवेदनशील गांवों में स्मैक के नशे में लिप्त युवाओं को फूल माला पहनाकर जागरूक किया था। एनजीओ भी अभियान से जुड़े थे, लेकिन वर्षों बाद फिर वही हालात बनते दिख रहे हैं। सवाल उठता है कि नशा बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई क्यों नहीं हो रही, जबकि नशे का धुआं अब भी राधौगढ़ की वादियों में फैल रहा है।

माता को चढ़ाएंगे 101 मीटर लंबी चुनरी

नवभारत न्यूज

बजरंगगढ़। बजरंगगढ़ में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्री ग्वाल युवा संगठन के तत्वाधान में 18 जुलाई को सुबह 10 बजे से चुनरी यात्रा घोसी मोहल्ले में स्थित ग्वाल धर्मशाला से प्रारंभ होकर आधुनिक डी.जे. की धुन एवं माता के जयकारों के साथ मां बीस भुजा देवी के दरबार में बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ पहुंचेगी। इसके पश्चात मंदिर में सभी श्रद्धालुगण माता की पूजा अर्चना कर माथा टेकेंगे। इसके बाद दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक मंदिर परिसर में भंडारा प्रसादी का आयोजन होगा।

नशा नाश की जड़ है इससे दूर रहें : मनोज कुमार मेहरा

नवभारत न्यूज

मारकीमहू। सिरसी थाना प्रभारी मनोज कुमार मेहरा ने बच्चों को संबोधित करते हुए नशे से बचाव के उपाय बताए। मंगलवार को होली फैमिली दिव्यांशी कॉन्वेंट हाई स्कूल मारकीमहू में मनोज मेहरा ने बच्चों को नशा मुक्ति के बारे मे जानकारी दी मेहरा ने नशे से होने वाले दुश परिणाम के बारे में बताया बच्चों को नशे से होने वाले दुष्परिणाम के बारे में विस्तार से बताया। श्री मेहरा ने उपस्थित बच्चों से प्रतिज्ञा दिलवाई कि न तो नशा करेंगे और न ही किसी ओर को नशा करने देंगे।

परिवार में किसी भी सदस्य को नशा नहीं करने देंगे और आसपास एवं ग्राम में भी नशा से होने वाले दुष्परिणामों को लोगों को बताएंगे।

खेत पर जबरन कब्जा और मारपीट का आरोप, दलित परिवार ने लगाई गुहार

इसी तरह जिले की आरोन तहसील के ग्राम आरी निवासी गजराज सिंह अहिरवार अपने परिवार सहित मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचे और खेत पर दबंगों द्वारा जबरन कब्जा करने, जातिसूचक गालियां देने और महिलाओं के साथ मारपीट किए जाने की शिकायत कलेक्टर से की। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि सीमांकन और कोर्ट के आदेश के बाद प्रशासन द्वारा उन्हें उनकी भूमि का वैध कब्जा दिलाया गया था, लेकिन इसके बावजूद कुछ प्रभावशाली लोग बार-बार खेत पर जबरन कब्जा कर रहे हैं और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दे रहे हैं। गजराज सिंह ने बताया कि उनकी जमीन सर्वे नंबर 93/1/5/1 कुल 1.6190 हेक्टेयर है, जिस पर विगत 9 जून को प्रशासन ने उन्हें वैधानिक कब्जा दिलाया था। लेकिन 10 जुलाई को एक बार फिर दबंगों ने खेत में घुसकर बल्ली-मिट्टी हटाई और ट्रैक्टर चला दिया। रोकने पर गाली-गलोच की और महिलाओं से मारपीट की गई। आरोप है कि मिश्रीलाल पाल, पहलवान पाल, बुद्धा धाकड़, नंदलाल धाकड़, और अन्य लोगों ने जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया और धमकाया कि यदि खेत में दोबारा आए तो जान से मार देंगे। पीड़िता ने बताया कि उन्होंने उमरी चौकी और म्याना थाने में कई बार शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। उल्टा पुलिसकर्मी उन्हें टरकाते रहे। पीड़ति परिवार ने प्रशासन से मांग की है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और उनकी जमीन की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

परिवार ने यह भी कहा कि वे बेहद गरीब हैं और इसी एक बीघा ज़मीन से 13 सदस्यों के परिवार का गुजारा होता है।

जन सुनवाई — कहीं मक्का बीज लौटाने की फरियाद, तो कहीं खेत कब्जाने वालों के खिलाफ की शिकायत

जनसुनवाई में उमड़ा ग्रामीणों और किसानों का दर्द, कलेक्टर से की न्याय की गुहार

गुना। जिले में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में सैकड़ों ग्रामीण और किसान अपनी-अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। भारी बारिश से प्रभावित किसानों ने मक्का बीज वापस कराने की गुहार लगाई, वहीं आरोन क्षेत्र में एक महिला ने मोहल्ले में लगातार गाली-गलौच और धमकाने वाली युवती के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सिंगवासा चक गांव के सहरिया समाज के लोगों ने गांव में बिजली लाइन डलवाने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे धरना देंगे। इसी तरह ग्राम आरी के एक दलित परिवार ने खेत पर दबंगों द्वारा किए जा रहे अवैध कब्जे, जातिसूचक गालियों और महिलाओं से मारपीट की शिकायत करते हुए कलेक्टर से न्याय दिलाने की मांग की।

महिला ने की गाली-गलौच और धमकी वाले की शिकायत

इधर जिले की तहसील आरोन के वार्ड बरवटपुरा निवासी सविता वंशकार ने मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचकर एसपी कार्यालय में एक आवेदन प्रस्तुत किया। सविता ने बताया कि उनके मोहल्ले में रहने वाली रिहाना नामक युवती विगत 12 वर्षों से लगातार गाली-गलौच कर रही है और मोहल्ले के शांतिपूर्ण वातावरण को बिगाड़ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि रिहाना प्रतिदिन उनके परिवार सहित विक्की वंशकार, कपिल वंशकार, गायत्री वंशकार और अन्य लोगों को सार्वजनिक रूप से अपशब्द कहती है। आवेदिका ने यह भी बताया कि रिहाना के घर पर रात के समय अज्ञात लोगों का लगातार आना-जाना बना रहता है, जिससे मोहल्ले में भय और असुरक्षा का माहौल है। सविता वंशकार के अनुसार, जब मोहल्ले के लोग इसका विरोध करते हैं तो रिहाना उन्हें झूठे केस में फंसाने और जान से मारने की धमकियां देती है। इससे मोहल्लेवासी बेहद परेशान हैं। जनसुनवाई में सविता ने प्रशासन से मांग की कि उक्त युवती को मोहल्ले से हटाया जाए ताकि सभी निवासी शांति से अपना जीवन यापन कर सकें। मामले की जांच का भरोसा और उचित कार्रवाई करने का आश्वासन भी दिया।

सिंगवासा चक के ग्रामीणों ने बिजली लाइन की मांग

वहीं जिले जिले के सिंगवासा चक गांव के सहरिया समाज के दर्जनों ग्रामीण मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचे और बिजली संकट को लेकर कलेक्टर को आवेदन सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव में अब तक बिजली की लाइन नहीं डाली गई है, जिससे जीवन बेहद कठिन हो गया है। खासकर बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह प्रभावित हो रही है। इस दौरान तहसीलदार ने ग्रामीणों को समझाईश देते हुए आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने कहा कि रात के समय घना अंधेरा होने के कारण जहरीले कीड़ों और सांपों के काटने का खतरा बना रहता है। पूर्व में कई बार अधिकारियों को आवेदन देकर बिजली उपलब्ध कराने की मांग की जा चुकी है, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। लीलमत, रामदनह और अन्य ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही बिजली की लाइन नहीं डाली गई तो समस्त गांववासी मजबूरी में सडक पर उतरकर धरना देंगे। आवेदन में ग्रामीणों ने मांग की कि ग्राम सिंगवासा चक में शीघ्र बिजली लाइन डलवाकर गांव को अंधेरे से निजात दिलाई जाए। जनसुनवाई में अधिकारियों ने आवेदन प्राप्त कर मामले में आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया है।

बारिश बनी संकट, मक्का बीज लौटाने पहुंचे किसान

जिले में हो रही लगातार बारिश अब किसानों के लिए चिंता का कारण बन गई है। भारी वर्षा के चलते खेतों में खरीफ फसलों की बोवनी नहीं हो पाई है, जिससे हजारों किसानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। खासकर गुना और बमोरी क्षेत्र में स्थिति चिंताजनक बनी हुई है, जहां अधिकांश खेत अभी तक खाली हैं और मक्का जैसे मुख्य फसल की बोवनी नहीं हो सकी है। कई किसानों ने पहले ही महंगे दामों पर मक्का का बीज उधारी या कर्ज लेकर खरीद लिया था, लेकिन अब जब खेतों में पानी भरा हुआ है और मौसम अनिश्चित है, तो उन्होंने बीज को वापस करने का निर्णय लिया है। मंगलवार को बड़ी संख्या में किसान जनसुनवाई में कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और बीज वापस कराने की गुहार लगाई। किसान पं. पूरण सिंह नायक ने बताया कि वे तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली में भरकर मक्का बीज लाए हैं।